

मंदसौर। राष्ट्र-संत महोपाध्याय ललितप्रभ सागर महाराज एवं डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर महाराज का आज फरवरी, सोमवार को मंदसौर की धरा पर भयान गहन-प्रवेश होगा। इस अवसर पर उन्हें दंडाढाली स्थित संजय गांधी उद्यान हॉल में दिनांक 9 – 26 को रात्रि 8 से 10 बजे तक 'जीवन जीने का कला' विषय पर विद्युत सस्त्रंग एवं प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। खरतरगच्छ श्री संघ के अध्यक्ष यशवंत पोखरना एवं दादावाडी टाट्ट के अध्यक्ष अभय चोईया ने बताया कि संतजन अपने ओजस्वी प्रवचनों के माध्यम से जन-मानस को जीवन-निर्माण, पारिवारिक प्रेम और तनाव मुक्ति के गुर सिखाएंगे। हैदराबाद में ऐतिहासिक चातुर्मासी पर कर राजस्थान की ओर पदचाली करने रहे संदृश्य में संसदीयकार्यालयों के विषय निवेदन पर यहाँ पथार रहे हैं। आप' जीवन को स्वर्ग कैसे बनाएँ, स्वास्थ्य सुधार और संस्कार निर्माण' जैसे विषयों पर प्रवचन देंगे। कार्यक्रम में जैन समाज सहित राजस्थानी, गुजराती, मारवाड़ी एवं सकल समाज के श्रद्धालु सम्मिलित होंगे।



नीमच । जिले के पालसोड़ा एवं भवरासा क्षेत्र में हाल ही में हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। इसको लेकर प्रभावित किसानों ने शनिवार को क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे सांसद मुन्ना गुप्ता को झापन सौंपकर किसान बीमा और मुआवजे की मांग की। किसानों ने बताया कि एक फरवरी को भवरासा और पालसोड़ा क्षेत्र में अचानक हुई ओलावृष्टि के कारण अफ्रीम सहित गेहूं, चना, सरसों और अन्य रबी फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। कई किसानों के अफ्रीम के प्लांट पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं, जबकि अन्य प्लांटों में फूल और डोडे बनना शुरू हो चुके हैं, जो ओलों की मार से टूटकर नीचे गिर गए। इससे अफ्रीम काफ़तकारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। झापन के माध्यम से किसानों ने मांग की कि फसल नुकसान का तत्काल सर्वे करया जाए और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। किसानों का कहना है कि फसल खराब होने से उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है और आगामी फसल की तैयारी को लेकर भी गंभीर संकेत खिंट रहे हैं।

शिविर में मुख्य रूप से रोगानुसार



नगर परिषद अध्यक्ष विनोद शिव भानपिया एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी जितेन्द्र सिंह राणा के मार्गदर्शन में नगर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया गया है। इसी क्रम में सफाई दारोगा श्री अंतिम कलोसीया के नेतृत्व



निशुल्क चिकित्सा परामर्श पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के डॉक्टरों द्वारा प्रदान किया जाएगा। चयनित सहयोग शिक्षकों को पतंजलि योगपीठ में

भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति, युवा भारत, किसान सेवा समिति जिला मंदसौर द्वारा आयोजित यह शिविर 15 फरवरी से 11 मार्च तक प्रतिदिन प्रातः 6 से 7.45 बजे तक नगर पालिका सभा कक्ष, गांधी चौराहा, मंदसौर (म.प्र.) और सांस्कृतिक भवन, भानपुरा में आयोजित होगा।

इच्छुक प्रतिभागी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। बाहर के प्रतिभागियों

बैठक में संस्था के राज्य कार्यकारी सदस्य महेश कुमावत, पतंजलि संरक्षक बंसीलाल टॉक, स्वदेशी प्रचारक योग शिक्षक बृजमोहन सोनी, हितेश सांविरिया, डॉ. मनीष व्यास, राकेश सिंह केलवा, लिलोक सोनी, हितेश सोनी, विकास चौधरी आदि सह योग शिक्षक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंदसौर। वैश्य महासम्मेलन

जिला चिकित्सालय परिसर में
वैश्य महासम्मेलन के आह्वान पर



स्वागत कर प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय की

रक्तदान दाता भी स्वस्थ रहता है और किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका रक्तदाता को रहती है। प्रदेश में रक्त के अभाव में किसी व्यक्ति को जान नहीं जाए इसीलिए वैश्य महासम्मेलन द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के सेवा प्रकल्प के आयोजन किया जाते हैं। मंदसौर में रक्तदान करने हेतु वैश्य बंधुओं का उसहा प्रशंसीनी है। जिलाध्यक्ष जगदाशचंद्र चौधरी ने कहा कि मंदसौर जिला इकाई हमेशा मानवता के कार्यों में अग्रणी रहती है इसी श्रृंखला में रक्तदान शिफार का आज आयोजन किया गया है आपने युवाओं से आह्वान किया कि प्रति तीन माह में स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए जिससे आपके द्वारा प्रदान किया गया रक्त किसी का जीवन बचाने में सहायक होगा।

► **सेन समाज का विवाह योग्य परिचय सम्मेलन में युवक युवतियों ने दिया उत्साह के साथ परिचय, देशभर के युवक युवती सहभागी बने**



दीपक गहलोत ने कहा कि समाज के कार्यकर्ताओं के परिश्रम से ही 364 युवक-युवतियों का पंजीयन किया गया है। 15 से अधिक पंजीयन कार्यक्रम स्थल पर ही हुए हैं लगभग 400 से

अधिक पंजीयन हुए हैं जो समाज के लिए ऐतिहासिक है जिला अध्यक्ष सुखलाल सेन ने कहा कि इस परिचय सम्मेलन का परिणाम में जो भी रिश्ते चयन होंगे, उनका 28 अप्रैल को भादवा माता में सामूहिक विवाह में विवाह करया जाएगा यह जिले का तीसरा सामूहिक विवाह सम्मेलन है, मध्य प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ विभाग करने की संभाव्य नीमच जिले को प्राप्त है। सम्मेलन में मध्य प्रदेश राजस्थान छत्तीसगढ़ हरियाणा सहित देश भर के बड़ी संख्या में समाज जन सहभागी बनें। इस अवसर पर समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों की शैक्षणिक पारिवारिक जानकारी के लिए समाज द्वारा जो संजो परिचय पुस्तिका के विमोचन भी किया गया। सभी अतिथियों का सम्मान पुष्प गुच्छ प्रदान

कर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों को पीतांबर दुपट्टा पहना कर समाज कार्यदायिकाओं द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सेन जी महाराज के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण एवं दीपक प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय प्रचारक विष्णु सेन कच्छवा, परिचय सम्मेलन अध्यक्ष विनोद गेहलोत, सेन, वरिष्ठ नेता, संतोष चोपड़ा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष तरुण बाहेली, पाण्डे योशिशि प्रजापति,, नारायणी माता मंदिर समिति अध्यक्ष नरेंद्र कुमार चंगल, सामूहिक विवाह सम्मेलन अध्यक्ष भावती प्रसाद देवड़ा, सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाज जन सेवा करने वाले



सिंगोली । कस्बे में बीती रात ए

सहित धरना घटित हो जाई जस पुलि
के घेरे में दौडती तेज रफ्तार अहिले
पासिग एबुलसंग ग्राम घडी के पाया
केवे विद्युत पोल को तोडते हु
दुइयनास्तास हुई। घटना में हरिय
अथैर हिमाचल प्रदेश निवासी पु
सहित पिता नारायण सिंह उम 18 व
निवासी किनु खेडी, अमित सिंह पि
जनासर सिंह राजपूत उम 31 व
निवासी गुडगंज सूरज सिंह पि
सूरजजी सिंह उम 28 वर्ष निवास
हिमाचल गंभीर रूप से खाल हो ग
सूर्यों को बाद तो रनगढ पुल
ने सूचना के माने सदिध एबुलसंग
पीछ किया। तेज रफ्तार एबुलसंग रा
करीब 8 गेली सिंगोली रुक्ये से गुज
के गोली की तरह तेज पत्थर से पद
तो लोग भयभीत होने के साथ-सा

आशंकित भी हो गए। आखिर पुलिस का गाईड्स के भेगे में एंगुलेंस चलकर काँट इतरे भागने की क्या मजबूरी थी लोग धधर-उधर फोन लगाते देर रात तक जानकारी लेते रहे लेकिन मामले का खुलासा नहीं हुआ। इधर सिंगलॉन पुलिस को भी आशंका हुई तो सिंगलॉन पुलिस ने भी एंगुलेंस का पीछा किया लेकिन एंगुलेंस पुलिस को चकमा देकर हूए कोट मार्ग को छोड़कर सांडीयर मार्ग पर सौर ऊर्जा प्लांट की ओर मुड़ गई। और ग्राम बड़ी के पास मोड़ पर मोड़ पर एंगुलेंस 11घा 15 विद्युत पोल को तोड़ते हुए दुर्घटनाग्रस्त हुई। तब सौर ऊर्जा प्लांट दुयुष्टी पर लगे गाईड्स ने तुरंत ही दौड़कर दुर्घटनाग्रस्त वाहन में फंसे धायलों को निकलाने चाहा। लेकिन तब ही पुलिस का गाईड्स भी मौके पर पहुँच गए।

नीमच। जिले में पिछले कृषि

डराने वाली हकीकत सामने आई। यहाँ आने वाली ज्यादातर मर्जीजों को अचानक बुखार हो रहा है, लेकिन जुकाम और खाँसी ने उन्हें बुरी तरह जकड़ रखा है। दवा लीते समय काफ़ी तरह बंद रहने हैं, कुछ दूर बाज़ तब बहाव शुरू हो जाते हैं और खाँसी दिन-रात पीछा नहीं छोड़ रही। हालात इतने गंभीर हैं कि कुछ मर्जीजों को अस्पताल में खाँसी व सिंपन तक नहीं मिल रही। मर्जीजों व कहना था कि 10 से 15 दिन तक खाँसी और ज़ेक नहीं हो रही, जिससे नई, काँ और दिन चर्या बुरी तरह प्रभावित हो गई है। ओपीडी में सबसे ज्यादा

मीडवयस्कों की नजर आई। लंबे के बाहर भी जांच कराने वालों की लंबाई लंगरी लगी। अधिकतर मजदूर वायरल संक्रमण की पुष्टि के लिए खून की जांच करवाते नजर आए।

पोस्ट-वायरल कफ के लक्षण की आशंका - विशेषज्ञों का कहना है कि यह पोस्ट-वायरल कफ के लक्षण हो सकते हैं, जो मौसम बदलने पर ज्यादा बढ़ने को मिलते हैं। अगर खांसी 7 से 10 दिन से ज्यादा बनी रहे, तो इसे हल्के में न लें। डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक लेने से बचें। नंगना पानी पिएं, ठंडे-गरम

सूरज ढलते ही तेवर दिखा रही सदी शहर में बुधवार को दिन के समय सदी से कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन सुबह और रात की सदी में लोगों को आहत ही रहा। शहर में बुधवार को दिन के समय सदी से कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन सुबह और रात की सदी ने लोगों को आहत ही रहा। मौसम का मिजाज इन दिनों पूरी तरह अस्थिर बना हुआ है। कभी शीतलहर तो कभी गलन लोगों की दिमचर्चा को भाषित कर रही है। दिन में धूप निकलने से हल्की गंगाहट महसूस कर रही है, जबकि सूरज ढलते ही सदी एक बार फिर अपने तेवर दिखा रही है। रात के तापमान में आई इस गिरावट के कारण टिटुरन बढ़ गई पिछले पांच दिनों के तापमान रेकॉर्ड पर नजर डालें तो साफ है कि मौसम लगातार उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रहा है। बुधवार अधिकतम तापमान 23.6 और न्यूनतम 8.8 डिग्री रहा। गुरुवार को दिन का तापमान घटकर 20.2 डिग्री पर पहुंच गया, जबकि रात का पारा 7 डिग्री तक गिर गया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मौसम परिवर्तन का संकेतशोत दे रहा है। अभी कुछ दिनों तक सदी स्थिति बना रह सकती है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने, कम कपड़े पहनने, संतुलित खानपान रखें और सदी से बचाव करने की सलाह दी जा रही है।

खान-पान से बचें और लक्षण दिखते ही स्वयं इलाज करने के बजाय

चिकित्सक से परामर्श लें। मौसम का यह दोहरा असर आने वाले दिनों में

और परेशानी बढ़ा सकता है, इसलिए सतर्कता ही बचाव है।